



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 47]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 20, 1999/कार्तिक 29, 1921

No. 47]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 20, 1999/KARTIKA 29, 1921

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन
के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और क्षेत्रीय अधिकारियों (सब राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि
के अंतर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के धारित, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the
Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)

शुद्धि-पत्र

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th June, 1999

नई दिल्ली, 29 जून, 1999

सा.का.नि. 382.—भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड 3,
उपखंड (i), दिनांक 12 सितम्बर, 1998 में प्रकाशित
भारत सरकार, विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय, (विधि
कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 176, दिनांक
10 अगस्त, 1998 में पृष्ठ 700 पर बायें ओर के कालम
में 23वीं पंक्ति में वर्ष संख्या "1997" के स्थान पर
"1998" पढ़ी जाए।

G.S.R. 382.—In the notification of the Government of
India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs
(Department of Legal Affairs) number GSR 176, dated the
10th August, 1998 published in the Gazette of India, Part
II, Section 3, Sub-section (i) dated the 12th September, 1998,
at page 700, in left hand side column, in line 23, for the
figures "1997" read "1998".

[No. A-12018/1/95-Admn.I(LA)]
A. K. SONIK, Dy. Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 अक्तूबर, 1999

[सं. ए-12018/1/95-प्रशा.-I(वि.का.)]

ए.के. सोनिक, उप सचिव

सा.का.नि. 383.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद
309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुये और शहरी विकास मंत्रालय (लेखाकार) भर्ती

नियम, 1987 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करने हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है, शहरी विकास मंत्रालय में लेखाकार के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी विकास मंत्रालय (लेखाकार) भर्ती नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वादत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन-सह-येज्ठता या योग्यता के आधार पर चयन अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
लेखाकार	4* (1999) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ख" अराजपत्रित	5500-175- 9000 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति : सीधे भर्ती होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आभेदन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति			

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संव लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
--	--	--

12

13

14

प्रतिनियुक्ति :

- अ. (क) (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ऐसे सहायक, जो नियमित आधार पर पद धारण किये हुये हैं, या (ii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक, जिन्होंने उस श्रेणी में आठ वर्ष नियमित सेवा की है, और

लागू नहीं होता

संव लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

- (ख) जो सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान या समतुल्य में रोकड़ तथा लेखा कार्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और जिन्हें रोकड़, लेखा और बजट कार्य का तीन वर्ष का अनुभव है, जिसके न हो सकने पर—

आ. केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी—

- (क) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किये हुये हैं, या जिन्होंने 5000-8000 रु. के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर तीन वर्ष नियमित सेवा की है, या जिन्होंने 4500-7000 रु. के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर छह वर्ष नियमित सेवा की है, या जिन्होंने 4000-6000 रु. के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर आठ वर्ष नियमित सेवा की है, और

- (ख) जो सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान या समतुल्य में रोकड़ तथा लेखा कार्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और जिन्हें रोकड़ लेखा और बजट कार्य का तीन वर्ष का अनुभव है, या

जिन्होंने केन्द्रीय सरकार के किसी भी संगठित लेखा विभाग द्वारा संचालित अधीनस्थ लेखा सेवा या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की है।

- (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्ति के लिये अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 21st October, 1999

G.S.R. 383.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Urban Development (Accountant) Recruitment Rules, 1987, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the period of recruitment to the post of Accountant in the Ministry of Urban Development, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Urban Development (Accountant) Recruitment Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of said posts, its classification and the scale of pay number of said posts, its classification and the scale of pay Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—Method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in column 5 to 14 of the aforesaid Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for doing so exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen, Other Backward Classes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay (Rs.)	Whether selection by merit or selection-cum-seniority or Non-selection post	
1	2	3	4	5	
Accountant	4* (1999) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group 'B' Non-gazetted	Rs. 5500-175-9000	Not applicable	
Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the post to be filled by various methods
6	7	8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Deputation

In case of recruitment by promotion/deputation/absorption, grades from which promotion/deputation/absorption to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment
12	13	14
<p>Deputation:</p> <p>A. (a) (i) Assistants on the Central Secretariat Service holding the posts on regular basis; or</p> <p>(ii) Upper Division Clerks of the Central Secretariat Clerical Service with 8 years' regular service in the grade; and</p> <p>(b) who have undergone training in Cash and Accounts work in the Institute of Secretariat Training and management or equivalent and possess 3 years' experience of cash, accounts and budget work; failing which,</p> <p>B. Officers under the Central Government:—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(ii) with three years' regular service in posts in the scale of Rs. 5000-8000 or equivalent; or</p> <p>(iii) with six years' regular service in posts in the scale of Rs. 4500-7000 or equivalent; or</p> <p>(iv) with 8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 4000-6000 or equivalent; and</p> <p>(b) who have undergone training in cash and accounts work in the Institute of Secretariat Training and Management or equivalent and possess three years' experience of cash, accounts and budget work;</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p>A pass in the Subordinate Accounts Service or equivalent examination conducted by any of the organised accounts department of the Central Government.</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. The maximum age limit for appointment by deputation shall be not exceeding 56 years as on the closing date of the receipt of applications).</p>	Not applicable	Consultation with Union Public Service Commission not necessary.

[F.No. A-12018/1/98-Admn.IV]

K. K. GUPTA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1999

सा.का.नि. 384—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग उद्यान कृषि निदेशालय समूह "क" और समूह "ख" पद भर्ती नियम 1983, की, जहाँ तक उनका संबंध सहायक उद्यान कृषि निदेशक के पद से है, उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुये जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, शहरी विकास मंत्रालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, उद्यान कृषि निदेशालय में समूह "ख" पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी विकास मंत्रालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग उद्यान कृषि निदेशालय समूह "ख" पद भर्ती नियम 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा। उन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :—वह व्यक्ति ;—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हैं, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान होता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन-सह-ज्येष्ठता या योग्यता के आधार पर अथवा अचयन	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	7
सहायक निदेशक उद्यान (कृषि)	62* (1999) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित अनुसूचिकीय	6500-200-10500 रु.	चयन-सह-ज्येष्ठता	30 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी न कि अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के	नहीं।

लाहौल और स्पीति जिले तथा
चम्बा-जिले के पांगी उपखंड,
अंशमान और निकोबार द्वीप या
लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए
विहित की गई है।)

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित
शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो।
के लिए विहित आयु और शैक्षिक
अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की दशा
में लागू होंगी या नहीं।

8

9

10

किसी माध्यमाप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि या
उद्यान-कृषि या भूमि-सज्जा विज्ञान में मास्टर डिग्री।
उद्यान कृषि में, जिसके अन्तर्गत उसके विभिन्न भागों
में विस्तारित शोभाकारी बागवानी की है, दो वर्ष
का अनुभव।

नहीं

दो वर्ष

टिप्पण 1 अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की
दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेका-
नुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पण 2 अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक
सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित
जातियों और अनुसूचित जनजातियों के
अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की
जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी
प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की
यह राय है कि उनके लिए आरक्षित पद
को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने
वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त
संख्या में उपलब्ध होने की सम्भावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रति-
नियुक्ति/आमेलन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने
वाले पदों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां
जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जाएगा

11

12

नब्बे प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा और दस प्रतिशत सीधी भर्ती
द्वारा।

प्रोन्नति : ऐसा अनुभागीय अधिकारी (उद्यान कृषि) जिसने उस
श्रेणी में छह वर्ष नियमित सेवा की है।

टिप्पण : जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में जिन्होंने
अपनी अर्हक/पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के
लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ
व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा परन्तु
यह तब जब कि उसके द्वारा की गई ऐसी अर्हक/
पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक/पात्रता सेवा के आधे से
अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो
और उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित
अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अपनी
परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है,
जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर
ली है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति और पुष्टि के लिए : जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है ।

1. अपर महानिदेशक (संकर्म), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
—अध्यक्ष
2. मुख्य इंजीनियर (कामिक और पद्धति)/उद्यान-कृषि निदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
—सदस्य
3. प्रशासन निदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
—सदस्य
4. उप-सचिव, भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय
—सदस्य

[पत्र सं. 33/1/93-ई.सी.-9 (जिल्द III)]

एस.के. भटनागर, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 15th November, 1999

G.S.R. 384.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Public Works Department, Horticulture Directorate Group 'A' and Group 'B' Posts Recruitment Rules, 1983, in so far as they relate to the post of Assistant Director of Horticulture, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'B' post in the Ministry of Urban Development, Central Public Works Department, Directorate of Horticulture, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Urban Development, Central Public Works Department, Directorate of Horticulture Group 'B' Post Recruitment Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection by merit or selection-cum-seniority or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Assistant Director (Horticulture)	62* (1999) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 6500-200-10500	Selection-cum-seniority	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).
Whether benefit of added years of service admissible	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the posts to be filled by various methods	
7	8	9	10	11	
No	(i) Master of Science Degree in Agriculture or Horticulture or Landscaping from a recognised University. (ii) Two years experience in Horticulture including ornamental gardening, ranging over various fields of horticulture,	No	Two years	Ninety per cent by promotion and ten per cent by direct recruitment	

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes if at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these Communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the post reserved for them.

In case of rectt. by promotion/deputation/absorption grades from which promotion/deputation/absorption to be made

If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.

12

13

14

Promotion :

Sectional Officers (Horticulture) with six years regular service in the Grade.

Note: Where juniors who have completed their qualifying/eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than half of such qualifying/eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their probation period for promotion to the next higher grade alongwith their juniors who have already completed such qualifying/eligibility service.

Group 'B' Departmental Promotion Committee (for promotion/confirmation) consisting of:

1. Additional Director General of Works, Central Public Works Department
—Chairman
2. Chief Engineers (Personnel and System)/Director of Horticulture, Central Public Works Department
—Member
3. Director of Administration, Central Public Works Department—Member
4. Deputy Secretary to the Government of India, Ministry of Urban Development
—Member

Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct rectt.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1999

आर जी ई 263/99

सा. का. नि. 385:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 1968 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेल सेवक (अनुशासन और अपील) संशोधन नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रेल सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 1968 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) की अनुसूची—1 और अनुसूची—2 में, नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित प्रविष्टि के स्थान पर, जहां-जहां वह आती है, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में उल्लिखित प्रविष्टि के सामने निम्नलिखित रखा जाएगा:—

सारणी

क्र. सं. विद्यमान प्रविष्टि	नई प्रविष्टि
(i) 1200—2040 रु. (सं. वे., 86)	4000-6000 रु. (रे. से. स. वे., 97)
(ii) 1400—2300 रु. (सं. वे., 86)	4500-7000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(iii) 1600—2660 रु. (सं. वे., 86)	5000-8000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(iv) 1640—2900 रु. (सं. वे., 86)	5500-9000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(v) 2000-3200 रु. (सं. वे., 86)	6500-10500 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(vi) 1540 रु. तक पहुंचने (सं. वे., 86) वाला वेतनमान	4900 रु. तक पहुंचने (रे. से. सं. वे., 97) वाला वेतनमान
(vii) 1800 रु. तक पहुंचने (सं. वे., 86) वाला वेतनमान	6000 रु. तक पहुंचने (रे. से. सं. वे., 97) वाला वेतनमान

3. उक्त नियम की अनुसूची—1 में प्रविष्टि “1800 रु. (सं. वे., 86) और उससे कम वेतन आहरित करने वाले सभी अराजपत्रित कर्मचारीवृन्द” जहां-जहां वे आते हैं, के स्थान पर प्रविष्टि “5500 रु. (रे. से. सं. वे., 97) और उससे कम वेतनमान आहरित करने वाले सभी अराजपत्रित कर्मचारीवृन्द” रखी जाएगी।

4. उक्त नियम की अनुसूची II में:—

(क) स्तंभ 6 के शीर्षक में, प्रविष्टि “5900-6700/7300-7600 (सं. वे., 86) के वेतनमान में” के स्थान पर प्रविष्टि “18400-22400/22400-24500 (रे. से. सं. वे., 97) के वेतनमान में” रखी जाएगी।

(ख) स्तंभ-2 में शीर्षक “9, निलम्बन” के नीचे प्रविष्टि “1800 रु. (सं. वे., 86) और उससे कम वेतनमान आहरित करने वाले समूह “ब” और समूह “ग” कर्मचारीवृन्द” के स्थान पर प्रविष्टि “5500 रु. (रे. से. सं. वे. 97) और इससे कम वेतनमान आहरित करने वाले समूह “ब” और समूह “ग” कर्मचारीवृन्द” रखी जाएगी।

[सं. ई (डी एण्ड ए) 98आरजी 6-42]

जी. पी. त्रिपाठी, सचिव, रेलवे बोर्ड

पाद टिप्पणी : मूल नियम, भारत के राजपत्र में, अधिसूचना सं. ई (डी एंड ए) 66 आर जी 6—9 तारीख 22-8-1968 के का. भा. 3181 तारीख 14-9-68 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उसके पश्चात् निम्नलिखित द्वारा सशोधित किए गए :—

क्र. सं.	अधिसूचना	दिनांक	भारत के राजपत्र के भाग—II, खंड 3 उपखंड (i) में प्रकाशित एस. ओ. सं.	दिनांक
1.	ई (डी एंड ए) 66 आर जी 6—9	10-04-69	1531	24-06-69
2.	ई (डी एंड ए) 67 आर जी 6—13	07-04-71	1925	08-05-71
3.	ई (डी एंड ए) 70 आर जी 6—63	09-06-71	2501	03-07-71
4.	ई (डी एंड ए) 70 आर जी 6—10	19-10-71	5078	06-11-71
5.	ई (डी एंड ए) 70—आर जी 6—41	21-10-71	4050	30-10-71
6.	ई (डी एंड ए) 70 आर जी 6—43	12-11-71	5264	04-12-71
7.	ई (डी एंड ए) 70 आर जी 6—52	25-03-72	947	08-04-72
8.	ई (डी एंड ए) 70 आर जी 6—69	17-11-72	3918	25-11-72
9.	ई (डी एंड ए) 69 आर जी 6—69	05-02-73	—	—
10.	ई (डी एंड ए) 71 आर जी 6—60	13-07-73	2897	06-10-73
11.	ई (डी एंड ए) 75 आर जी 6—35	05-04-77	1413	14-05-77
12.	ई (डी एंड ए) 77 आर जी 6—36	07-07-78	2193	29-07-78
13.	ई (डी एंड ए) 78 आर जी 6—54	29-11-78	0364	23-12-78
14.	ई (डी एंड ए) 77 आर जी 6—30	07-04-78	—	—
15.	ई (डी एंड ए) 79 आर जी 6—26	17-08-79	3057	08-09-79
16.	ई (डी एंड ए) 79 आर जी 6—12	25-10-79	3777	17-11-79
17.	ई (डी एंड ए) 78 आर जी 6—61	22-11-79	—	—
18.	ई (डी एंड ए) 79 आर जी 6—39	31-12-79	0143	19-01-80
19.	ई (डी एंड ए) 78 आर जी 6—11	06-02-80	0441	23-02-80
20.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6—72	31-08-82	—	—
21.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6—63	10-08-83	सा. का. नि./982	17-12-83
22.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6—54	31-05-84	सा. का. नि./632	23-06-84
23.	ई (डी एंड ए) 82 आर जी 6—29	30-3-85	1822	27-04-85
24.	ई (डी एंड ए) 83 आर जी 6—45	13-06-85	3105	06-07-85
25.	ई (डी एंड ए) 80 आर जी 6—25	20-01-86	सा. का. नि./667	22-02-86
26.	ई (डी एंड ए) 85 आर जी 6—16	23-03-87	सा. का. नि./241	04-04-87
27.	ई (डी एंड ए) 83 आर जी 6—14	28-08-87	सा. का. नि./708	19-09-87
28.	ई (डी एंड ए) 87 आर जी 6—47	26-10-87	सा. का. नि./869	21-11-87
29.	ई (डी एंड ए) 87 आर जी 6—146	10-05-88	सा. का. नि./420	21-05-88
30.	ई (डी एंड ए) 88 आर जी 6—43	12-08-89	सा. का. नि./749	17-09-88
31.	ई (डी एंड ए) 84 आर जी 6—44	20-10-89	सा. का. नि./850	11-11-89
32.	ई (डी एंड ए) 88 आर जी 6—38	16-11-89	सा. का. नि./900	02-12-89
33.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6—112	16-11-90	सा. का. नि./723	11-12-90
34.	ई (डी एंड ए) 84 आर जी 6—44	22-11-90	—	—
35.	ई (डी एंड ए) 91 आर जी 6—42	08-06-91	—	—
36.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6—117	19-09-91	सा. का. नि./568	05-10-91
37.	ई (डी एंड ए) 89 आर जी 6—80	20-01-92	सा. का. नि./86	22-02-92
38.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6—112	22-10-92	—	—
39.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6—148	09-11-92	—	—
40.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6—166	11-01-93	सा. का. नि./63	30-01-93
41.	ई (डी एंड ए) 93 आर जी 6—94	23-06-94	सा. का. नि./327	16-07-94
42.	ई (डी एंड ए) 95 आर जी 6—68	13-08-97	सा. का. नि./422	27-12-97
43.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6—151	06-11-97	सा. का. नि./106	06-06-98
44.	ई (डी एंड ए) 94 आर जी 6—10	16-02-99	—	—

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 11th October, 1999

R.B.E. No. 263/1999

G.S.R. 385.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Railway Servants (Discipline and Appeal) Rule, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the Railway Servants (Discipline and Appeal) Amendment Rules, 1999.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules, 1968 (hereinafter referred to as the said rules), in Schedule-I and Schedule-II for the entry mentioned in column (2) of the Table below, wherever it occurs, the entry mentioned against it in column (3) of the said Table shall be substituted:—

TABLE

S.No.	Existing entry	New Entry
1	2	3
(i) Rs. 1200-2040	(RS '86)	Rs. 4000-6000 (R.S.R.P. '97)

[भाग II—खंड 3 (i)]

भारत का राजपत्र : नवम्बर 20, 1999/कालिका 20, 1921

2255

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1999

आर बी ई 263/99

सा. का. नि. 385:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 1968 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेल सेवक (अनुशासन और अपील) संशोधन नियम, 1999 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रेल सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 1968 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) की अनुसूची—1 और अनुसूची—2 में, नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित प्रविष्टि के स्थान पर, जहां-जहां वह आती है, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में उल्लिखित प्रविष्टि के सामने निम्नलिखित रखी जाएगी :—

सारणी

क्र. सं. विद्यमान प्रविष्टि	नई प्रविष्टि
(i) 1200—2040 रु. (सं. वे., 86)	4000-6000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(ii) 1400—2300 रु. (सं. वे., 86)	4500-7000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(iii) 1600—2660 रु. (सं. वे., 86)	5000-8000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(iv) 1640—2900 रु. (सं. वे., 86)	5500-9000 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(v) 2000-3200 रु. (सं. वे., 86)	6500-10500 रु. (रे. से. सं. वे., 97)
(vi) 1540 रु. तक पहुंचने (सं. वे., 86) वाला वेतनमान	4900 रु. तक पहुंचने (रे. से. सं. वे., 97) वाला वेतनमान
(vii) 1800 रु. तक पहुंचने (सं. वे., 86) वाला वेतनमान	6000 रु. तक पहुंचने (रे. से. सं. वे., 97) वाला वेतनमान

3. उक्त नियम की अनुसूची—1 में प्रविष्टि “1800 रु. (सं. वे., 86) और उससे कम वेतन आहरित करने वाले सभी अराजपत्रित कर्मचारीवृन्द” जहां-जहां वे आते हैं, के स्थान पर प्रविष्टि “5500 रु. (रे. से. सं. वे., 97) और उससे कम वेतनमान आहरित करने वाले सभी अराजपत्रित कर्मचारीवृन्द” रखी जाएगी।

4. उक्त नियम की अनुसूची II में :—

(क) स्तंभ 6 के शीर्षक में, प्रविष्टि “5900-6700/7300-7600 (सं. वे., 86) के वेतनमान में” के स्थान पर प्रविष्टि “18400-22400/22400-24500 (रे. से. सं. वे., 97) के वेतनमान में” रखी जाएगी।

(ख) स्तंभ-2 में शीर्षक “9, निलम्बन” के नीचे प्रविष्टि “1800 रु. (सं. वे., 86) और उससे कम वेतनमान आहरित करने वाले समूह “घ” और समूह “ग” कर्मचारीवृन्द” के स्थान पर प्रविष्टि “5500 रु. (रे. से. सं. वे. 97) और इससे कम वेतनमान आहरित करने वाले समूह “घ” और समूह “ग” कर्मचारीवृन्द” रखी जाएगी।

[सं. ई (डी एण्ड ए) 98आरबी 6-42]

डी. पी. त्रिपाठी, सचिव, रेलवे बोर्ड

Foot Note : Principal Rules were published in the Gazette of India vide Notification No. E(D&A) 66 RG-6-9 dated 22-8-1968 vide S.O. 3181 dated 14-9-68 and subsequently amended by—

S.No.	Notification	Date	Published in the Gazette of India Pt. II Section 3 Sub-Section (i)	
			S.O. No.	Date
1.	E(D&A)66 RG 6-9	10-04-69	1531	24-06-69
2.	E(D&A)67 RG 6-13	07-04-71	1925	08-05-71
3.	E(D&A)70 RG 6-63	09-06-71	2501	03-07-71
4.	E(D&A)70 RG 6-10	19-10-71	5078	06-11-71
5.	E(D&A)70 RG 6-41	21-10-71	4050	30-10-71
6.	E(D&A)70 RG 6-43	12-11-71	5264	04-12-71
7.	E(D&A)70 RG 6-52	25-03-72	947	08-04-72
8.	E(D&A)70 RG 6-69	17-11-72	3918	25-11-72
9.	E(D&A)69 RG 6-69	05-02-73	—	—
10.	E(D&A) 71 RG 6-60	13-07-73	2897	06-10-73
11.	E(D&A)75 RG 6-35	05-04-77	1413	14-05-77
12.	E(D&A)77 RG 6-36	07-07-78	2193	29-07-78
13.	E(D&A)78 RG 6-54	29-11-78	0364	23-12-78
14.	E(D&A)77 RG 6-30	07-04-78	—	—
15.	E(D&A)79 RG 6-26	17-08-79	3057	08-09-79
16.	E(D&A)79 RG 6-12	25-10-79	3777	17-11-79
17.	E(D&A)78 RG 6-61	22-11-79	—	—
18.	E(D&A)79 RG 6-39	31-12-79	0143	19-01-80
19.	E(D&A)78 RG 6-11	06-02-80	0441	23-02-80
20.	E(D&A)81 RG 6-72	31-08-82	—	—
21.	E(D&A)81 RG 6-63	10-08-83	GSR/982	17-12-83
22.	E(D&A)81 RG 6-54	31-05-84	GSR/632	23-06-84
23.	E(D&A)82 RG 6-29	30-03-85	1822	27-04-85
24.	E(D&A)83 RG 6-45	13-06-85	3105	06-07-85
25.	E(D&A)80 RG 6-25	20-01-86	GSR/667	22-02-86
26.	E(D&A)85 RG 6-16	20-03-87	GSR/241	04-04-87
27.	E(D&A)83 RG 6-14	28-08-87	GSR/768	19-09-87
28.	E(D&A)87 RG 6-47	26-10-87	GSR/869	21-11-87
29.	E(D&A)87 RG 6-146	10-05-88	GSR/420	21-05-88
30.	E(D&A)88 RG 6-43	12-08-89	GSR/739	17-09-88
31.	E(D&A)84 RG 6-44	20-10-89	GSR/850	11-11-89
32.	E(D&A)88 RG 6-38	16-11-89	GSR/900	02-12-89
33.	E(D&A)84 RG 6-44	22-11-90	—	—
34.	E(D&A)90 RG 6-112	16-11-90	GSR/723	11-12-90
35.	E(D&A)91 RG 6-42	08-6-91	—	—
36.	E(D&A)90 RG 6-117	19-09-91	GSR/568	05-10-91
37.	E(D&A)89 RG 6-80	20-01-92	GSR/86	22-02-92
38.	E(D&A)90 RG 6-112	22-10-92	—	—
39.	E(D&A)92 RG 6-148	09-11-92	—	—
40.	E(D&A)92 RG 6-166	11-01-93	GSR/63	30-01-93
41.	E(D&A)93 RG 6-94	23-06-94	GSR/327	16-07-94
42.	E(D&A)95 RG 6-68	13-08-97	GSR/422	27-12-97
43.	E(D&A)92 RG 6-151	6-11-97	GSR/106	06-06-98
44.	E(D&A)94 RG 6-10	16-02-99	—	—

19.	ई (डी एंड ए) 70	31-08-82	—	—
20.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6-72	10-08-83	सा. का. नि./982	17-12-83
21.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6-63	31-05-84	सा. का. नि./632	23-06-84
22.	ई (डी एंड ए) 81 आर जी 6-54	30-3-85	1822	27-04-85
23.	ई (डी एंड ए) 82 आर जी 6-29	13-06-85	3105	06-07-85
24.	ई (डी एंड ए) 83 आर जी 6-45	20-01-86	सा. का. नि./667	22-02-86
25.	ई (डी एंड ए) 80 आर जी 6-25	23-03-87	सा. का. नि./241	04-04-87
26.	ई (डी एंड ए) 85 आर जी 6-16	28-08-87	सा. का. नि./708	19-09-87
27.	ई (डी एंड ए) 83 आर जी 6-14	26-10-87	सा. का. नि./869	21-11-87
28.	ई (डी एंड ए) 87 आर जी 6-47	10-05-88	सा. का. नि./420	21-05-88
29.	ई (डी एंड ए) 87 आर जी 6-146	12-08-89	सा. का. नि./749	17-09-88
30.	ई (डी एंड ए) 88 आर जी 6-43	20-10-89	सा. का. नि./850	11-11-89
31.	ई (डी एंड ए) 84 आर जी 6-44	16-11-89	सा. का. नि./900	02-12-89
32.	ई (डी एंड ए) 88 आर जी 6-38	16-11-90	सा. का. नि./723	11-12-90
33.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6-112	22-11-90	—	—
34.	ई (डी एंड ए) 84 आर जी 6-44	08-06-91	—	—
35.	ई (डी एंड ए) 91 आर जी 6-42	19-09-91	सा. का. नि./568	05-10-91
36.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6-117	20-01-92	सा. का. नि./86	22-02-92
37.	ई (डी एंड ए) 89 आर जी 6-80	22-10-92	—	—
38.	ई (डी एंड ए) 90 आर जी 6-112	09-11-92	—	—
39.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6-148	11-01-93	सा. का. नि./63	30-01-93
40.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6-166	23-06-94	सा. का. नि./327	16-07-94
41.	ई (डी एंड ए) 93 आर जी 6-94	13-08-97	सा. का. नि./422	27-12-97
42.	ई (डी एंड ए) 95 आर जी 6-68	06-11-97	सा. का. नि./106	06-06-98
43.	ई (डी एंड ए) 92 आर जी 6-151	16-02-99	—	—
44.	ई (डी एंड ए) 94 आर जी 6-10	—	—	—

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1999

सा.का.नि. 386.—औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम, 1946 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946 (1946 का 20) की धारा 15 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 25, तारीख 23 दिसम्बर, 1998 के द्वारा भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 16 जनवरी, 1999 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, (45) दिन की अवधि के भीतर सुझाव और आक्षेप मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28 जनवरी, 1999 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में प्राप्त सुझावों और आक्षेपों पर विचार कर लिया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946 (1946 का 20) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम, 1946 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय संशोधन नियम, 1999 है ।
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) केन्द्रीय नियम 1946 में, —

(क) अनुसूची 1 में, पैरा 4 के उप पैरा (3) में खंड (ट) के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(उ) लैंगिक उत्पीड़न के अन्तर्गत अशोभनीय लैंगिक रूप से कटिबद्ध व्यवहार (चाहे प्रत्यक्षतः या विविक्षा द्वारा) है, जैसे—

- (i) शरीर छूना और हरकत करना; या
- (ii) यौन संबंधी हामी के लिए मांग या अनुरोध; या
- (iii) यौनाचार रंजित छोटकशी; या

(iv) अश्लील साहित्य पढ़ाना/अश्लील चित्र दिखाना; या

(v) यौनाचार प्रकृति का कोई अन्य अशोभनीय शारीरिक, मौखिक या मौखिकेतर आचरण ।”

(ख) अनुसूची 1क में, पैरा 17 के उपपैरा (i) में खंड (म) के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(य) लैंगिक उत्पीड़न के अन्तर्गत अशोभनीय लैंगिक रूप से कटिबद्ध व्यवहार (चाहे प्रत्यक्षतः या विविक्षा द्वारा) है, जैसे —

- (i) शरीर छूना और हरकत करना; या
- (ii) यौन संबंधी हामी के लिए मांग या अनुरोध; या
- (iii) यौनाचार रंजित छोटकशी; या
- (iv) अश्लील साहित्य पढ़ाना/अश्लील चित्र दिखाना; या

यौनाचार प्रकृति का कोई अन्य अशोभनीय शारीरिक, मौखिक या मौखिकेतर आचरण ।”

[फा. सं. एस-12012/1/97-समवन्ध]
गोपाल सिंह, अवसर सचिव

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. एल.आर. 11 (37) तारीख 18-12-1946 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चात्पूर्ति संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

- (1) सा.का.नि. सं. 208 तारीख 31-1-1954
- (2) सा.का.नि. सं. 556, तारीख 24-2-1956
- (3) सा.का.नि. सं. 557, तारीख 30-4-1959
- (4) सा.का.नि. सं. 655, तारीख 3-6-1960
- (5) सा.का.नि. सं. 1166 तारीख 28-6-1963
- (6) सा.का.नि. सं. 1123, तारीख 18-7-1967
- (7) सा.का.नि. सं. 1573, तारीख 10-10-1967
- (8) सा.का.नि. सं. 1732 तारीख 12-5-1967
- (9) सा.का.नि. सं. 824, तारीख 30-6-1975
- (10) सा.का.नि. सं. 30(अ), तारीख 17-1-1983

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th November, 1999

G.S.R. 386.—Whereas draft of certain rules further to amend the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946 were published as required by sub-section (1) of Section 15 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (20 of 1946), vide Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. G.S.R. 25 dated 23rd December, 1998 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 16th January, 1999 inviting suggestions and objections from all persons likely to be affected from thereby within a period of (45) days from the date on which the copies of the Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And, whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 28th day of January, 1999;

And, whereas the Central Government has considered the suggestions and objections received in this regard;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (23 of 1946), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, namely:—

1. (1) These rules may be called the Industrial Employment (Standing Orders) Central Amendment Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946,—

(a) in Schedule-I, in paragraph 14, in sub-paragraph (3), after clause (k), the following shall be inserted, namely:—

“(1) Sexual harassment which includes such un-welcome sexual determined behaviour (whether directly or by implication) as—

- (i) physical contact and advances; or
- (ii) a demand or request for sexual favours; or
- (iii) sexually coloured remarks; or
- (iv) showing pornography; or
- (v) any other un-welcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature.”

(b) in Schedule-IA, in paragraph 17, in sub-paragraph (i), after clause (y), the following shall be inserted, namely:—

“(z) Sexual harassment which includes such un-welcome sexual determined behaviour (whether directly or by implication) as—

- (i) physical contact and advances; or
- (ii) a demand or request for sexual favours; or
- (iii) sexually coloured remarks; or
- (iv) showing pornography; or
- (v) any other un-welcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature.”

[F. No. S-12012/1/97-Coord.]

GOPAL SINGH, Under Secy.

Note: Principal Rules published, vide Notification No. LR 11(37) at 18-12-1946 and subsequently amended by:—

- (i) GSR No. 208 dated 31-01-1954.
- (ii) GSR No. 556 dated 24-02-1956.
- (iii) GSR No. 557 dated 30-04-1959.
- (iv) GSR No. 655 dated 03-06-1960.
- (v) GSR No. 1166 dated 28-06-1963.
- (vi) GSR No. 1123 dated 18-07-1967.
- (vii) GSR No. 1573 dated 10-10-1967.
- (viii) GSR No. 1732 dated 12-05-1967.
- (ix) GSR No. 824 dated 30-06-1975.
- (x) GSR No. 30E dated 17-01-1983.